भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 532

20 जुलाई, 2022 को उत्तर के लिए

कच्चे माल के रूप में इस्पात

532. श्री कृपाल बालाजी तुमाने:
श्री ओम पवन राजेनिंबालकर:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या इंजीनियरिंग माल निर्यातक निर्यात के लिए माल बनाने हेतु कच्चे माल के रूप में इस्पात का उपयोग करते हैं और यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या स्वदेशी इस्पात की उच्च लागत के परिणामस्वरूप, भारत की स्थिति डाउन स्ट्रीमिंग इंजीनियरिंग निर्यात में प्रतिस्पर्धी नहीं है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या स्वदेशी इस्पात निर्माता इंजीनियरिंग निर्यात से बहुत अधिक लाभ कमा रहे हैं और यदि हां तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या इंजीनियरिंग वस्तुओं के निर्यातकों को सस्ती दरों पर इस्पात उपलब्ध कराने की कोई आवश्यकता है; और

(ड.) यदि हां, तो इंजीनियरिंग सामान निर्यातकों को सस्ती दरों पर इस्पात उपलब्ध कराने के लिए क्या कदम उठाए गए/उठाए जाने का प्रस्ताव है?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री (श्री फग्गन सिंह कुलस्ते)

(क) और (ख): इंजीनियरिंग निर्यातक निर्यात के उद्देश्य से उत्पादों के विनिर्माण हेतु इस्पात उत्पादों का कच्चे माल के रूप में उपयोग करते हैं। इनमें एचआर क्वायल, सीआर क्वायल, गैल्वेनाइज्ड क्वायल, प्लेट्स (फ्लैट रोल्ड उत्पाद) और वायर रॉड, बार, स्ट्रक्चरल (लॉन्ग प्रोडक्ट) शामिल हैं। मई, 2022 और जून, 2022 में इंजीनियरिंग उत्पादों में प्रयुक्त प्रमुख इस्पात वस्तुओं की औसत कीमतों का विवरण नीचे दिया गया है। नीचे दी गई कीमतों के विवरण में से यह देखा जा सकता है कि मई-जून, 2022 में इस्पात की कीमतों में काफी कमी आई है, जिससे भारतीय इस्पात प्रतिस्पर्धात्मक हो गया है।

औसत बाजार कीमत (खुदरा) (जीएसटी को छोड़कर)		
मद	**जून, 2022**	**मई, 2022**
वायर रॉड्स 8 एमएम	57775	65055
राउंड्स 12 एमएम	57091	63108
टीएमटी 10 एमएम	59172	66678
प्लेट्स 10 एमएम	62309	71182
एच.आर. क्वायल्स 2.00 एमएम	64629	73591
सी.आर. क्वायल्स 0.63 एमएम	71877	80261
जी.पी. शीट्स 0.63 एमएम	78528	87377
स्रोत: संयुक्त संयंत्र समिति (जेपीसी); मूल्य रुपये प्रति टन में		

(ग) से (ङ): इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है, जहाँ मूल्य चक्रीय होते हैं और यह माँग एवं आपूर्ति, वैश्विक बाजार की स्थितियों, कच्चे माल के मूल्यों के रुझानों, लॉजिस्टिक लागत, बिजली एवं ईंधन लागत आदि पर निर्भर करते हैं। सरकार ने कच्चे माल एवं इस्पात को उचित मूल्यों पर उपलब्ध करने के लिए विभिन्न कदम उठाए हैं, जिनमें शामिल है:

(i) लौह अयस्क का उत्पादन/उपलब्धता बढ़ाने के लिए खनन एवं खनिज नीति में सुधार, इस्पात और केन्द्रीय पीएसयू आदि द्वारा ओडिशा की समपहृत (फोर्टिफिटेड) चालू खदानों का शीघ्र प्रचालन और इस्पात उत्पादकों द्वारा उत्पादन एवं क्षमता उपयोग को बढ़ाना।

(ii) वर्ष 2021-22 और 2022-23 की बजट घोषणाओं में गैर-मिश्र धातु, मिश्र धातु और स्टेनलैस स्टील के सेमीज, फ्लैट एवं लॉन्ग उत्पादों पर सीमा शुल्क को एक समान रूप से घटाकर 7.5% कर दिया गया। इस्पात स्क्रैप पर मूल सीमा शुल्क (बीसीडी) को दिनांक 31.03.2023 तक छूट प्रदान की गई है। इस्पात उत्पादों पर पाटनरोधी शुल्क (एडीडी) और प्रतिकारी शुल्क (सीवीडी) को भी हटा दिया गया है।

(iii) सरकार ने बढ़ती हुई इस्पात कीमतों को नियंत्रित करने के लिए दिनांक 21.05.2022 की अधिसूचना द्वारा इस्पात के कच्चे माल और अन्य इस्पात उत्पाद शुल्कों में और संशोधन किए हैं। एंथ्रेसाइट/पल्वेराइज्ड कोल इंजेक्शन (पीसीआई) कोल, कोक और सेमी कोक तथा फेरो-निकेल पर आयात शुल्क को घटाकर शून्य कर दिया गया है। लौह अयस्क/सान्द्र और लौह अयस्क पैलेट पर निर्यात शुल्क को बढ़ाकर क्रमशः 50% और 45% कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त पिग आयरन और कई इस्पात उत्पादों पर 15% निर्यात शुल्क लगाया गया है।

****